



GRAVITA INDIA LTD.

Corp. Office : 402.Gravita Tower, A-27 B, Shanti Path
Tilak Nagar, Jaipur-302 004, Rajasthan (INDIA)
Phone : +91-141-2623266, 2622697 Fax : +91-141-2621491
E.mail : info@gravitaindia.com Web : www.gravitaindia.com
CIN : L29308RJ1992PLC006870

12th November, 2020
GIL/2020-21/051

To,

The BSE Limited Phiroze Jeejeebhoy Towers Dalal Street Mumbai- 400 001 Fax No.: 022-22722041 Scrip Code- 533282	The listing Department The National Stock Exchange of India Ltd. Exchange Plaza, C-1, Block G, Bandra- Kurla Complex Bandra(east) Mumbai- 400 051 Fax No.: 022-26598237/38 Company Code- GRAVITA
--	---

Subject: Submission of copy of Newspaper Advertisement of Financial Results.

Dear Sir / Madam,

Pursuant to Regulation 47(3) of Securities and Exchange Board of India (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015 we enclose herewith copy of the Unaudited Financial Results published in newspapers as mentioned below:

1. Financial Express (English Edition)
2. Nafa Nuksan (Hindi edition)

For the Quarter and Half year ended 30th September,2020 at Board Meeting held on Tuesday, 10th November, 2020.

This is for your information and record.

Yours Faithfully
For **Gravita India Limited**


Nitin Gupta
(Company Secretary)
FCS-9984



Encl: As above

Works & Regd. Office :
"SAURABH" Chittora Road, Diggi Malpura Road,
Tehsil : Phagi, Jaipur-303 904, Rajasthan (INDIA)
Phone : +91-99280 70682 E.mail : works@gravitaindia.com

For All Advertisement Booking Call : 0120-6651214

REGIONAL STRESSED ASSET RECOVERY BRANCH 75/1, MANGAL PANDEY NAGAR, MEERUT. E-AUCTION - SALE NOTICE. E-AUCTION SALE NOTICE FOR SALE OF IMMOVABLE ASSETS UNDER THE SECURITISATION AND RECONSTRUCTION OF FINANCIAL ASSETS AND ENFORCEMENT OF SECURITY INTEREST ACT, 2002 READ WITH PROVISIONS RULES 6(6) AND 9 OF THE SECURITY INTEREST (ENFORCEMENT) RULES, 2002.

ADITYA BIRLA CAPITAL PROTECTING INVESTING FINANCE ADVISING. Aditya Birla Housing Finance Limited. Registered Office: Indian Rayon Compound, Veraval, Gujarat 362 266. SALE NOTICE FOR SALE OF IMMOVABLE PROPERTIES.

FORM NO. NCLT. 3A Advertisement detailing Petition [see rule 35] Company Petition No. 60 of 2020 Notice of Petition. A Petition under Section 131 of the Companies Act, 2013, for Voluntary Revision of Financial Statements was presented by Company, 'Vardan Associates Private Limited' on the 7th day of March, 2020...

JAGSONPAL FINANCE & LEASING LTD. Extract of the Standalone Unaudited Financial Results of Quarterly and Half year ended 30.09.2020. Table with columns: PARTICULARS, Quarter ended, Half year ended, Quarter ended.

ESAF ESAF SMALL FINANCE BANK Joy of Banking. THE 'JOY' KEEPS GROWING... Even in a year as challenging as 2020, we are proud to be able to deliver joy no matter the circumstances. STATEMENT OF UNAUDITED FINANCIAL RESULTS FOR THE SIX MONTHS PERIOD ENDED 30 SEPTEMBER 2020.

Union Bank of India Asset Recovery Branch, 26/28-D, Connaught Place, New Delhi-110001 (Working at M-35, First Floor, Outer Circle, Connaught Place, New Delhi - 110001) Email ID - arbdelhi@unionbankofindia.com

E-Auction Sale Notice for Sale of Immovable/Moveable Assets under the Securitisation and Reconstruction of Financial Assets and Enforcement of Security Interest Act, 2002 read with Rule 8 / 9 of the Security Interest (Enforcement) Rule, 2002. Notice is hereby given to the public in general and in particular to the Borrower(s) and Guarantor (s) that the below described immovable property mortgaged / charged to the Secured Creditor, the symbolic possession of which has been taken by the Authorized Officer of Union Bank of India (Secured creditor), will be sold on "As is where is", "As is what is" and "Whatever there is" on the date mentioned below...

GRAVITA Statement of Consolidated Un-audited Financial Results for the Quarter and Half Year Ended 30th September, 2020. Table with columns: S. No., Particulars, Quarter Ended, Half Year Ended, Year Ended.

GRAVITA Statement of Consolidated Un-audited Financial Results for the Quarter and Half Year Ended 30th September, 2020. Key Numbers of Un-audited Standalone Financial Results. At Gravita we understand that responsible recycling not only creates sustainable value for the green economy, but for our stakeholders too!

STATEMENT OF UNAUDITED FINANCIAL RESULTS FOR THE SIX MONTHS PERIOD ENDED 30 SEPTEMBER 2020. Table with columns: Particulars, Six month period ended 30 September 2020, Six month period ended 30 September 2019, Year ended 31 March 2020.

ESAF ESAF SMALL FINANCE BANK Joy of Banking. JOY OF BANKING, NOW FOR EVERYONE. Statement of Assets and Liabilities as at 30 September 2020. Table with columns: Particulars, As at 30 September 2020, As at 31 March 2020.

लॉकडाउन के बाद से करीब 30,000 ट्रक हुए मार्केट से आउट



मुंबई/ऑटो डेस्क

लॉकडाउन के कारण ट्रांसपोर्ट बिजनेस ठप होने के बाद असांगठित क्षेत्र के कई ऑपरैटर अपने ट्रक फाइनेंसर्स को सरेंडर कर रहे हैं या मार्केट में इन्हें बेच रहे हैं। इंडियन फाइनेंसिंग ऑफ ट्रांसपोर्ट रिसर्च एंड ट्रेनिंग के सीनियर फेलो एसपी सिंह ने कहा कि मोरेटोरियम की अवधि 31 अगस्त तक थी। अब ट्रक ड्राइवर्स के सामने समस्या है कि लोन कैसे चुकाएं। इस समय करीब 30,000 ट्रक या तो फाइनेंसर्स ने जब्त कर लिए हैं या ऑपरैटरों ने ट्रक सरेंडर कर दिए हैं। इनमें से कम से कम 40 फीसदी ट्रक तो पिछले वर्ष ही खरीदे गए हैं।

बांबे गुड ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष बलमलकीत सिंह के मुताबिक स्थिति खराब है और गंभीर है। 85 फीसदी ट्रांसपोर्ट सेक्टर इन छोटे ऑपरैटरों से ही चलता है। हालांकि ई-कॉमर्स कंपनियों स्मॉल और लाइट कर्माशियल व्हीकल्स का उपयोग कर रही हैं और फार्म सेक्टर में रिकवरी शुरू हो चुकी है, लेकिन मोडियम व हैवी कर्माशियल व्हीकल्स की डिमांड अभी भी कमजोर ही बनी हुई है।

इनपुट कॉस्ट बढ़ने से भी ऑपरैटरों

के सामने संकट की स्थिति है। मोरेटोरियम के दौरान वे पर्याप्त बचत नहीं कर सके और अब वे लोन रिपेमेंट नहीं कर पा रहे हैं। फाइनेंसर डिफॉल्टर्स के पीछे लगे हैं। पूरे देश में एक जैसी स्थिति है। सिंह ने बताया इस महीने के बाद साफ तस्वीर उभरकर आएगी।

नवी मुंबई बेस्ट ट्रांसपोर्ट इंटरप्र्रीट सिंह भाटिया के ट्रकों से एलपीजी सिलेंडर की सप्लाई होती है। पिछले महीने भाटिया को अपने 23 में से 16 ट्रक बैंक को सरेंडर करने पड़े, क्योंकि वह लोन का रिपेमेंट करने की स्थिति में नहीं थे। भाटिया का कर्ज वसूलने के लिए बैंक ने वे ट्रक बेच दिए।

भाटिया ने बताया कि अचानक लॉकडाउन होने से ड्राइवर अपने गांव चले गए। ट्रक महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल में जहां-तहां खड़े रह गए। बड़ी मुश्किल से वे उन ट्रकों को वापस ला पाए। लेकिन कोई बिजनेस नहीं था और लोन रिपेमेंट के लिए बैंक का दबाव था।

ट्रांसपोर्टर्स से जुड़ी इस तरह की कई कहानियां हैं। नई दिल्ली बेस्ट ड्राइवर से ट्रांसपोर्टर बने गुनजीत सिंह सांघा के पास 40 ट्रक थे। उन्होंने 23 ट्रक बेच दिए हैं या सरेंडर कर दिए हैं और बाकी ट्रकों के लिए भी ग्राहक खोज रहे हैं। उन्होंने

ट्रांसपोर्ट बिजनेस से विदा लेने की तैयारी कर ली है। उन्होंने कहा कि इन परिस्थितियों में बिजनेस चलाना बेहद मुश्किल है।

सांघा के ट्रक नासिक और पुणे से ताजा फल व अनाज की खेप लेकर एनसीआर जाते थे। ट्रिप घटकर एक महीने में एक या 2 तक रह गई है। पहले उनकी संख्या हर महीने 5-6 तक थी। दूसरी तरफ डीलर महंगा हो रहा है और टायर की कीमतें भी बढ़ गई हैं। हर तरफ से नुकसान ही नुकसान है।

वहीं फाइनेंसर्स का कहना है कि उन्होंने अभी व्हीकल्स कब्जे में लेना शुरू नहीं किया है। सुरम फाइनेंस के एमडी टीटी श्रीनिवासादाधवन ने कहा कि जब संकट आता है, उस समय हरेक को एक ही लाठी से हांकना ठीक नहीं। इसलिए अभी इंपाउंडिंग नहीं की जा रही है, क्योंकि यह गंभीर मामला है। बोरोर का इंटेंशन और उसकी परिस्थितियों को देखने की जरूरत है। उसके बाद ही फैसला लेना ठीक है।

एक व्हीकल फाइनेंस कंपनी के अधिकारी ने कहा कि वह अभी ट्रकों को कब्जे में लेना शुरू नहीं कर रहे हैं। हम कस्टमर्स को समय देना चाहते हैं, जिससे वे अपना बिजनेस प्री-कोविड लेवल के

80 फीसदी तक ला सकें। फिर भी यदि कोई कस्टमर ट्रक सरेंडर करता है तो वह अपनी इच्छा से ऐसा कर रहा है।

एक अन्य सीनियर एक्जीक्यूटिव ने कहा कि ज्यादातर लेंडर्स (बैंक व नॉन-बैंक फाइनेंस कंपनियां) यह देख रहे हैं कि फ्लोट ऑपरैटर्स की वर्किंग कैपिटल रिक्वायरमेंट क्या है। हम फाइनेंसियल इयर 2019-20 के प्रोजेक्शंस के आधार पर वर्किंग कैपिटल रिक्वायरमेंट की 80 फीसदी फंडिंग करने के लिए तैयार हैं। इससे उन्हें बिजनेस को पटरी पर लाने में मदद मिलेगी।

हालांकि कोविड से पहले भी क्रेडिट कंपनियां वर्किंग कैपिटल लोन ऑफर करती आई हैं। बैंकों के लिए यह नया कदम है, जो फाइनेंसियल स्टैबिलिटी के लिए महत्वपूर्ण है। लेकिन भाटिया जैसे ट्रांसपोर्टर कहते हैं कि वास्तविकता अलग है। वह वर्किंग कैपिटल जुटाने के लिए प्रोपर्टी के अगेंस्ट 15 लाख रुपए का लोन लेना चाहते थे। वह कुछ बैंकों के पास गए, लेकिन सभी ने इनकार कर दिया। भाटिया के मुताबिक फाइनेंसर्स का यह कहना भी गलत है कि उन्होंने ट्रक कब्जे में लेना शुरू नहीं किया है। वे उन लोगों के पीछे पड़े हैं, जो रिपेमेंट नहीं कर पा रहे हैं।

टोयोटा ने श्रमिक संघ के विरोध प्रदर्शन के बाद बिदादी संयंत्र में की तालाबंदी

नई दिल्ली/एजेंसी

टोयोटा किलॉस्कर मोटर ने कर्नाटक के बिदादी संयंत्र में श्रमिक संघ के धरना प्रदर्शन के बाद मंगलवार को तालाबंदी की घोषणा की। संयंत्र के एक कर्मचारी को निलंबित करने के विरोध में श्रमिक संघ के सदस्य संयंत्र के भीतर ही धरने पर बैठ गए। कंपनी के बिदादी परिसर में दो उत्पादन इकाइयां हैं। इनकी स्थापित वार्षिक क्षमता 3.10 लाख वाहन है।

कंपनी ने एक बयान में कहा, "संयंत्र में अनुशासन के साथ कामकाज के लिए कर्मचारियों को सक्रिय भागीदारी पर आधारित स्वस्थ वातावरण रखने की हमारी कोशिशों के बावजूद एक कर्मचारी अनुशासनहीनता और अस्वीकार्य व्यवहार में संलग्न पाया गया। उस

कर्मचारी का अभद्र व्यवहार का पिछला रिकॉर्ड भी है। ऐसे में यह कंपनी की सेवा नीतियों और कानून का उल्लंघन है।"

कंपनी ने कहा कि इसके बाद कर्मचारी को निलंबित कर दिया गया और उसके खिलाफ कंपनी के नियमों और उपयुक्त कानूनों के तहत पृष्ठताल लंबित है।

कंपनी ने कहा कि प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों को ध्यान में रखते हुए कंपनी की सेवा शर्तों के अनुरूप पृष्ठताल के दौरान कर्मचारी को सभी संभव अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे। मौजूदा समय में टीकेएम यूनियन अवैध तरीके से हड़ताल पर बैठ गयी है। यूनियन के यह सदस्य गैर-कानूनी तरीके से कंपनी के परिसर में टिके हुए हैं और कोविड-19 दिशानिर्देशों की भी अनदेखी कर रहे हैं।

125 YEARS
naman
DESI GHEE

इस त्यौहार बनाएं अपने खाने को खास।

Jhandewalas Foods Limited
For Trade Query: 7726644566 For B2B Bhat: 9928888112

EMERGING TRENDS

खर्च को कम कर बनाएं इमरजेंसी फंड

अप्रैल-मई 2020 में कई कंपनियों ने अपने एंजलीज की सेलेरी में कटौती की या उन्हें छुट्टी पर भेज दिया। अन्य कंपनियों ने दूसरा रास्ता अपनाते हुए बोनस व बेरिबल पे में कटौती करने के साथ ही प्रमोशन रोक दिए और नई नियुक्तियां रोक दीं। फाइनेंसियल इयर 2021-22 के पहले क्वार्टर में जीडीपी में 23.9 फीसदी की गिरावट देखी गई है। हालांकि यह टूट कुछ हद तक पिछले कुछ महीनों से रिवर्स हो रहा है।

टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज ने अक्टूबर में सेलेरी इन्फ्लैट की घोषणा की है और नई नियुक्तियां भी शुरू कर दी है। इसी महीने एचडीएफसी बैंक के पूर्व एमडी व सीईओ आदित्य पुरी ने एंजलीज को भरोसा दिलाया है कि वे अपनी सेलेरी और बोनस को लेकर चिंता न करें। लेकिन महामारी का दौर कायम है और इस वर्ष इकोनॉमी में करीब 10 फीसदी तक की ऐसे क्षेत्रों की पहचान करने में मदद मिल सकती है।

द डाटा बुक - स्टेड बैंक ऑफ इंडिया (2020 एडीशन) में ऐसे कई महत्वपूर्ण मैक्रोइकोनॉमिक डाटा जुटाए गए हैं, जिनके आधार पर इंडियन इनवेस्टमेंट्स और हाउसहोल्ड्स अपने इनवेस्टमेंट डिजीजन ले सकते हैं। द डाटा बुक के रिसर्चर हैं आशुतोष दातार, जो इंडियाडाटाहब डॉट कॉम के को फाउंडर हैं। डाटा बुक में पर कैपिटल हाउसहोल्ड कंजेशन के आधार पर दी गई एक टेबल के अनुसार 2019 में एंजलीज इंडियन ने कंजेशन पर 85,199 रुपए खर्च किए। यह आंकड़ा मिनिस्ट्री ऑफ स्टैटिस्टिक्स एंड प्रोग्राम इंप्लीमेंटेशन से जुटाया गया है। कंजेशन खर्च में 2015 से सालाना एंजलीज 10.3 फीसदी की व वर्ष

2005 से सालाना एंजलीज 12.1 फीसदी की बढ़ती दर्ज की गई है। इसमें फूड एंड बेवरेज पर होने वाला खर्च सबसे ज्यादा 30 फीसदी है, जबकि 17 फीसदी के साथ दूसरे नंबर पर ट्रांसपोर्ट रिलेटेड खर्च है। वर्ष 2005 में फूड एंड बेवरेज का शेयर 37 फीसदी था, जो 2019 में घटकर 30 फीसदी रह गया है। इससे मिडिल क्लास का पैटर्न समझा जा सकता है।

दातार का कहना है कि फूड एंड बेवरेज की हिस्सेदारी कम होने का मतलब यह है कि लोगों की इनकम कम हो रही है। लोग सबसे पहले भोजन पर खर्च करते हैं और उसके बाद कुछ बचता है तो अन्य चीजों पर खर्च करते हैं। कुछ संपन्न लोग ऐसे भी हैं, जो फूड पर खर्च कम करते हुए सर्विसेज सहित अन्य कैटेगरीज, जैसे ड्यूरबल गुड्स, क्वाइट गुड्स या ऑटोमोबाइल्स पर खर्च बढ़ा रहे हैं। लोगों में मासिक खर्च में इस तरह के बदलाव से इनवेस्टर्स को ऐसे क्षेत्रों की पहचान करने में मदद मिल सकती है।

एक्सपर्ट्स के मुताबिक एक्सपेंडिचर का संबंध वेल्थ क्रिएशन से भी है। म्यूचुअल फंड डिस्ट्रीब्यूशन फर्म फिनॉक्स रिसर्च एंड एनालिटिक्स प्रा.लि. की फाउंडर प्रबलीन बाजपेई ने कहा कि जहां तक पर्सनल फाइनेंस की बात है, खर्च को कम करना बड़ी चुनौती है और मंथली बजट में लीकेज की पहचान भी जरूरी है। कई लोग यह कहते हुए पाए जाते हैं कि भरोसा नहीं होता, उन्होंने इतना पैसा कहा खर्च कर दिया। भारत में 2005 में हाउसहोल्ड सेविंग जीडीपी की 23.5 फीसदी थी, जो 2015 में घटकर 19.6 फीसदी और 2019 में और घटकर 18.2 फीसदी हो गई है। हालांकि इसमें नॉन-प्रोफिट एंटीटीज व नॉन-कॉर्पोरेट बिजनेसेज (असंगठित क्षेत्र) के आंकड़े भी शामिल हैं जो सांख्यिकी एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय की ओर से जुटाए गए हैं। बाजपेई ने कहा कि दिनभर के दौरान

शॉरीस, बाहर खाना, होम डिलीवरी, सब्जी, इंटरनेट, बिजली, ऑनलाइन शॉपिंग, उबेर (या ट्रेवल के अन्य साधन) आदि पर होने वाले खर्च को एक इन्फ्लेमेशन शीट रोजाना शाम को तैयार करनी चाहिए, जिसमें हर मद पर होने वाला खर्च लिखा जाए। इस सूची से यह मालूम होगा कि कहां कितना खर्च हुआ। यह रोज एक डायरी में भी दर्ज किया जा सकता है। दूसरा तरीका यह हो सकता है कि जिस मद में खर्च करना हो उसके लिए उतनी राशि एक लिफाफे में रख देनी चाहिए। इसके लिए अलग-अलग लिफाफे बना लेना चाहिए और उनमें से खर्च करना चाहिए।

मुंबई बेस्ट म्यूचुअल फंड डिस्ट्रीब्यूटर ऋषभ देसाई ने कहा कि लोगों को अपनी इनकम का 20 फीसदी रिटायरमेंट के लिए बचाने का नियम बना लेना चाहिए। उस राशि को अलग-अलग इन्वेस्ट किया जा सकता है। चार्ल्स डिकेंस के उपन्यास ग्रेट एक्सपेक्टेडेंस में एक पात्र विलकिंस माइकॉवर कहता है, Annual Income 20 Pounds, Annual Expenditure 19 pounds, 19 and 6 results happiness. Annual Income 20 Pounds, Annual Expenditure 20 pounds, naught and 6, result misery. यह पात्र उधारी से परेशान रहता है, जो इसकी वजह से किस तरह कर्ज देने वालों के जाल में फंस जाता है। माइकॉवर की बात इंडियन हाउसहोल्ड्स के संदर्भ में भी लागू होती है, जो इस समय कोविड-19 महामारी के कारण बनी परिस्थितियों में इकोनॉमिक स्लोडाउन का सामना कर रहे हैं।

अगर आप तकलीफों से गुजर रहे हैं या अपने फाइनेंसियल फ्यूचर को लेकर परेशान हैं तो सबसे पहले अपने बजट का आकलन करें। कितना कहां और क्यों खर्च हो रहा है, इसकी जानकारी दर्ज करते रहना कठिन नहीं है। यह रिकॉर्ड आगे चलकर इमरजेंसी फंड बनाने में उपयोगी होता है।

GRAVITA

Statement of Consolidated Un-audited Financial Results for the Quarter and Half Year Ended 30th September, 2020 (₹ in Lacs)

S. No.	Particulars	Quarter Ended 30.09.2020 (Unaudited)	Quarter Ended 30.09.2019 (Unaudited)	Half Year Ended 30.09.2020 (Unaudited)	Half Year Ended 30.09.2019 (Unaudited)	Year Ended 31.03.2020 (Unaudited)
1.	Total Income from operations (Net)	33,938.76	35,844.49	37,787.19	59,753.23	59,202.96
2.	Net Profit for the period (Before tax, Exceptional and/or Extraordinary Items, share of loss of associate)	2,048.65	808.48	658.16	2,658.11	1,370.19
3.	Net Profit for the period before tax (After Exceptional and/or Extraordinary Items)	2,048.65	808.26	667.96	2,658.00	1,370.19
4.	Net Profit for the period After tax (After Exceptional and/or Extraordinary Items)	1,148.68	398.37	439.97	1,538.12	830.80
5.	Total Comprehensive Income for the period	1,022.31	357.25	717.30	1,388.56	825.85
6.	Equity Share Capital (Face value per share Rs 2/-)	1,380.76	1,380.76	1,380.76	1,380.76	1,380.76
7.	Reserves (excluding Revaluation Reserve)					21,337.43
8.	Earnings Per Share (After Tax & minority interest) (of Rs 2/- each)	1.87	0.57	1.17	2.24	1.45
	(a) Basic	1.87	0.57	1.17	2.24	1.45
	(b) Diluted	1.87	0.57	1.17	2.24	1.45

Key Numbers of Un-audited Standalone Financial Results (₹ in Lacs)

1.	Turnover (Net Sales)	28,975.87	22,945.46	28,384.86	51,821.33	51,501.22
2.	Profit Before Tax	1,313.31	230.77	372.84	1,549.08	854.37
3.	Total Comprehensive Income	789.28	251.11	234.90	1,040.39	601.16

At Gravita we understand that responsible recycling not only creates sustainable value for the green economy, but for our stakeholders too!

4% ↑ REVENUE
18% ↑ EBITDA
82% ↑ PAT

Date: 10.11.2020
Place: Jaipur

By Order of the Board
For Gravita India Limited
Rajal Agrawal,
Managing Director
DIN: 00855284

Notes: a) The above is an extract of the detailed format of Quarterly / Half Yearly Financial Results filed with Stock Exchanges under Regulation 33 of the SEBI (Listing and Other Disclosure Requirements) Regulations, 2015. The full format of the Quarterly / Half Yearly Financial Results are available on the Stock Exchanges websites viz. www.sebindia.com and www.nseindia.com. The same is also available on the company's website viz. www.gravitaIndia.com. b) # - Exceptional and/or Extraordinary Items adjusted in the Statement of Profit and Loss in accordance with Ind AS Rules/6 Rules, whichever is applicable.

Corporate Office: Gravita Tower, A-27B, Shanti Path, Tilak Nagar, Jaipur-302014 (Raj.). T: +91 141 4057709, Email: info@gravitaIndia.com
Registered Office: "Saurabh" Chhitora Road, Harsulia Mod, Diggi-Maipura Road, Teh.-Phagi, Jaipur-302954, (Rajasthan) India
Web: www.gravitaIndia.com, www.gravitaaluminium.com, www.gravitagroup.com, CIN: L25308R1992PLC006370